सालिड-वेस्ट व गोवंश संरक्षण पर करे काम आईआईटी : योगी

आईआईटी(बीएचयू) में संबोधित करते सीएम योगी आदित्यनाथ

वाराणसी। काशी की पुरातन संस्कृति और आध्यात्म के साथ देश को आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से जोड़ने का केन्द्र बिन्दु आईआईटी(बीएचयू) को बनना होगा। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर तकनीकी कैसे काम कर सकती है इस पर प्रौद्योगिकी संस्थान काम करें। यह विचार किया जाना भी जरूरी है कि निराश्रित गोवंश का संरक्षण कैसे हो। साथ ही इन गो-नस्ल, गोमूत्र, गोबर से बेहतर कम्पोस्ट और (गैस) ईंधन का उपयोग सरलता से किया जा सके। ऐसी सस्ती और सरल तकनीक पर शोध की आवश्यकता है।

यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को स्वतंत्रता भवन में आयोजित शताब्दी समारोह में कही। आईआईटी बीएचयू के शताब्दी समारोह के दौरान आयोजित ग्लोबल अल्यूमनी मीट के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। आगे उन्होंने कहा कि तकनीकी जितनी सरल और सस्ती होगी उतना ही समाज और देश के लिए सुलभ होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसमें प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा योगदान है। प्रदेश में बन रहे डिफेंस कॉरीडोर के नॉलेज पार्टनर शेष पेज 15 पर...

बोले मुख्यमंत्री

गोबर से गैस और उर्वरक बनाकर आय बढ़ायी जाए

आईआईटी के पूर्व और वर्तमान छात्रों का किया आह्वान

30 हजार पुरातन छात्रों को काशी और प्रदेश से जोड़ें

वाराणसी। आने वाले सौ वर्षों में विज्ञान के साथ किस क्षेत्र को किसी दिशा में आगे बढ़ाना है इसकी भूमिका आईआईटी बीएचयू को तय करनी होगी। यहां (आईआईटी बीएचयू) के लगभग 30 हजार पुरातन छात्र जो देश-विदेश (दुनिया) के कोने-कोने में अपनी योग्यता का परचम लहरा रहे हैं, उन्हें प्रत्येक वर्ष संस्थान में आमंत्रित कर काशी और प्रदेश से जोड़ना होगा, ताकि परंपरा के साथ आधुनिकता के सामंजस्य से ही देश का विकास संभव है। ताकी मानवता के कल्याण और दुनिया में महाशक्ति के बनने में योगदान दे सकें। उन्होंने सुझाव दिया कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र शेष पेज 15 पर...

फोटो: क्रेजी बाबा